सारांश

शिक्षा किसी भी देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को जो भी विचार पसंद आते थे, उसको वे तत्काल प्रभाव से स्वयं अमल करते थे, तत्पश्चात सार्वजनिक रूप से सभी देशवासियों से अमल करने के लिए निवेदन करते थे। उन्होने राष्ट्रहित के लिए शिक्षा व्यवस्था के रूप में बहुत ही विशिष्ट विचार दिए। जिसे सम्पूर्ण भारत में सन 1937 से लागू किया गया जो 'नयी तालीम पद्धति' के रूप में विख्यात हुआ। मनोवैज्ञानिकों ने मनोविज्ञान के संबंध में जो वर्तमान परिभाषा दी उसके अनुसार "प्राणियों की मानसिक प्रक्रियाओं एवं उनके व्यवहार का अध्ययन है।" इसी परिभाषा के आधार पर सृजनात्मकता एक मानसिक संक्रिया के रूप में प्रचलित है। जिसमें यह नहीं कहा जा सकता है कि जो बुद्धिमान व्यक्ति हैं केवल वही सृजनात्मक हो सकते है, बल्कि सृजनात्मक कोई भी व्यक्ति हो सकता है। चाहे वो प्रतिभाशाली हो या सामान्य। सृजनात्मकता को सामान्य भाषा में परिभाषित किया जा सकता है, "सृजनात्मकता एक ऐसी मानसिक संक्रिया है जो किसी व्यक्ति को सामान्य से हटकर कुछ विशेष करने के लिए अभिप्रेरित करता है।" प्रस्तुत शोध का उद्देश्य वर्धा जनपद में स्थित नयी तालिम पद्धति के द्वारा संचालित विद्यालय 'आनन्द निकेतन' के कक्षा 6 में अध्यापकों द्वारा होने वाले सम्पूर्ण विषयों के अध्यापन-कार्य में वे कौन-कौन से सृजनात्मक तत्व हैं जिनको महत्व दिया जा रहा है का पता लगाना हैं। प्रेक्षणात्मक अध्ययन से ज्ञात होता है कि विद्यालय में नयी तालीम पद्धति से कराये जा रहे अध्यापन-कार्य के लिए बनाये गये पाठ्यक्रम में प्रयोग एवं प्रसार को उचित स्थान दिया गया है। साथ ही अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों से कराये जा रहे कार्य समाज एवं व्यावहारिकता पर आधारित हैं। सृजनात्मक दृष्टि से इस विद्यालय के मुख्य शैक्षिक-कार्य किताबी ज्ञान से परे हैं तथा विद्यार्थियों से जो अतिरिक्त गतिविधियां कराई जा रही हैं, उनकी सहभागिता सृजनात्मक तत्वों के रूप में उच्च स्तर पर देखने को मिलती हैं। सृजनात्मकता विकसित भी होती है और धूमिल भी। निष्कर्षत: कहा जा सकता हैं कि यदि किसी भी व्यक्ति को सोचने का अवसर, उत्तर देने कि स्वतन्त्रता, शैक्षिक वातावरण, साधारण भाषा का प्रयोग, असफलता का स्वागत, समाज से जुड़कर कार्य करने का प्रशिक्षण, विद्यार्थियों को लीक से हटकर सोचने की आजादी, उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास, प्रयोग करने की आजादी प्रदान की जाये तो विद्यार्थियों में सृजनात्मकता विकसित होने की प्रबल संभावना होगी।

महत्वपूर्ण शब्द: नयी तालीम पद्धती, सृजनात्मकता और अध्यापन-कार्य

Summary

Education plays an important role in the development of any country. The ideas that National father Mahatma Gandhi liked, used to follow, he used to implement it with immediate effect, after it he publicly requested all the people of the country to implement it. He gave very specific ideas in terms of education system for national interest. Which was implemented in whole India since 1937, which became known as *'New Talim system'*. According to the current definition given by psychologists, related to psychology is "the study of the mental processes and behaviour of the creatures." On the basis of this definition, creativity is prevalent as a mental operation. In which it cannot be said that only a person who is a wise person can be creative, but any creator can be. Whether it's genius or general Creativity can be defined in the general language, "Creativity is a mental operation that motivates a person to turn something away from the ordinary." The purpose of the research is presented the school operated by the New Talim system located in the Wardha district. In the teaching of 'Anand Niketan', all the subjects which are being done by teachers in class 6, what kind of creativity element are detection being those values. Observational studies have shown that in the curriculum created for the teaching work done by the New Talim system in the school, the use and dissemination in the curriculum has been given proper place. Besides, the work being done by teachers by the students is based on society and practicality. Creatively, the main educational work of this school is beyond book knowledge and the extra activities that students are being offered to students are seen at high level in the form of creative elements. Creativity also develops and even foggy. In conclusion, it can be said that if any person has the opportunity to think, answer to freedom, educational environment, use of ordinary language, welcome to failure, training to work with society, freedom of thinking of students from leak, If the efforts

to explain through illustrations, freedom to experiment, the students will have the potential to develop creativity.

Key words: New Talim system, creativity and teaching work

.